श्री भारतेन्दु प्रकाश सिंहल (**उत्तर प्रदेश**) : यह बात सही है कि चार दिन से बिजली नही है **...(व्यवधान)...**

श्री रूमन्डला रामचन्द्रय्या (**आन्ध्र प्रदेश**) : गांवो में बिजली आधे-आधे दिन तक नही है। आप घंटो में इतनी तकलीफ की बात कर रहे है **...(व्यवधान)...**

MR. CHAIRMAN: Let the Minister respond.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI 0. RAJAGOPAL): Sir, I am personally aware of the problem mentioned by many hon. Members relating to non-availability of power in Government buildings and MPs houses for the last few days. Since the issue has been raised by the hon. Members, I will definitely bring it to the notice of the concerned Minister.

MR. CHAIRMAN: For immediate action.

SHRI 0. RAJAGOPAL: Yes. Sir.

श्री बालकवि बैरागी (**मध्य प्रदेश**) **:** बिजली नही होने से पानी नही होता है, यह सबसे बडी समस्या है।

श्रीमती सरोज दुबे : हम भी बहुत परेशान है **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति : मंत्री जी ने इसको इमीडिएट्ली देखने के लिए कहा है।

SPECIAL MENTIONS

MR. CHAIRMAN: Shri Moolchand Meena. Absent. Shrimati Savita Sharda.

Need to protect children from HIV/ AIDS

श्रीमती सविता शारदा (**गुजरात**) : सभापति महोदय, मेरा आज का स्पेशल मेंशन शिशुओं को एचआई एड्स रोग से बचाने के संबंध में है। जहां देश में नवजात शिशुओ की मौतो के प्रमुख कारणों में पुतिया, न्यूमोनिया, मस्तिष्क का ज्वर, शोथ, नाथिशोथ, टिटनेस, अतिसार जन्म के समय सांस लेने की परेशानी, कम वज़न जैसी अनेक बीमारियां शामिल है वहीं

अब देश में एचआईवी एड्स से प्रभावित चार बच्चे हर घंटे में जन्म ले रहे है और अगले पांच वर्ष में अस्पतालो में भर्ती बच्चो में से दस प्रतिशत एचआई एड्स से प्रभावित होंगे । देश की गर्भवती महिलओं में एचआईवी इन्फैक्शन बढ़ रहा है । देश में शून्य दशमलव पांच प्रतिशत गर्भवतियों के एचआईवी से संक्रमित होने का अनुमान है। इस हिसाब से देश में प्रतिवर्ष जन्म लेने वाले ढ़ाई करोड़ बच्चो मे से सवा लाख बच्चो को एचआईवी संक्रमित मातायें जन्म दे रही है । एचआईवी संक्रमित लगभग 25 प्रतिशत माताओं से एड्स का वायरस शिशुओ को पहुंचाता है । मां एचआईवी संक्रमित हो तो स्तनपान के जरिए वायरस के शिशु में पहुंचने की लगभग 25 प्रतिशत आशंका रहती है । मेरे विचार से एचआईवी एड्स जैसी भयंकर बीमारी शिशुओं में न हो , इसके लिए सरकार को कोई ठोस व प्रभावी कदम उठाना चाहिए ।

अत: मेरा माननीय स्वास्थ मंत्री जी से विशेष रूप से अनुरोध है कि शिशुओं को एचआईवी एड्स से मुक्ति दिलाने के लिए कोई ठोस कदम उठाने की कृपा करे ताकि बच्चो को एचआईवी एड्स से छुटकारा मिल सके और देश में स्वस्थ बच्चे जन्म ले ताकि राष्ट्र में स्वस्थ नागरिको की संख्या में वृध्दि हो सके और राष्ट्र उत्तरोत्तर विकास कर सके । धन्यवाद ।

SHRIMATI SHABANA AZMI (Nominated): Sir, I associate myself with the Special Mention.

MISS MABEL REBELLO (Madhya Pradesh): I also associate myself with it, Sir.

Prevention of exploitation of minors

डा. प्रभा ठाकुर (**राजस्थान**) : सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान बालक और बालिकाओ के एक ऐसे व्यापक शोषण की ओर आकर्षित करना चाहती हूं जिस तरफ ध्यान दिया जाना आज बहुत आवश्यक है । बाल श्रमिको के रूप में तो इस देश के हजारो बच्चो के शोषण क मुद्दा अनेक बार उठाया गया है, पर इसके अतिरिक्त मै देश के उन हजारो लाखो बच्चो को शोषण से बचाने के लिए सदन में अपील कर रही हूं कि जो मासूम बच्चे भीख मांगने के लिए विवश किए जाते है तथा अनेक गोद के दुधमुंहे बच्चो को भी भयंकर गर्मी या सर्दी में भी ख के लिए भिखारी स्त्री-पुरूषो द्वारा बेरहमी से इस्तेमाल किया जाता है । यह नजारा हम सड़कों से आते-जाते है । बड़ा ही ह्रदय विदारक वह दृश्य होता है । इन बच्चो को कृपया शोषण से बचाए जाने के लिए मैं अपील करती हूं कि कोई प्रभावी कदम उठाया जाना चाहिए । बच्चो को लेकर भी कर्ज मांगने या उनसे भीख मंगवाने को एक धंधे के रूप में चलाने के पीछे भी इस देश में अनेक गिरोह सक्रिय बताये जाते है । ये बच्चे भी इसी देश की संतान है । बच्चो के भीख मांगने य अबोध बच्चो को भीख के लिए इस्तेमाल किए जाने पर रोक लगाने के लिए कड़ा कानून बनाए जाने की आवश्यकता है ताकि उन हजारों बच्चो को अपरहण करके य उन्हे अपाहिज बना कर भीख मंगवाने वाले गिरोह की प्रवृति पर अंकुश लग सके तथा भीख के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बेजुबान बच्चो को इस भयानक शोषण से मुक्ति मिल सके ।